

विषय सूची

प्रथम अध्याय

भारोपीय काल के उपास्य देव-तत्त्व	१-३७
‘भारोपीय’ अवधारणा	१-४
भारोपीय देवों की उत्पत्ति-विषयक विविध धारणाएँ	४-१२
भारोपीय देवताओं का विवरण —	
क. *द्येउस्	१२-१७
ख. *उओरुएनँस्	१७-२१
ग. पृथिवी माता	२१-२२
घ. तडित् एवं वर्षा के देवता	२२-२५
ङ. सूर्य, चन्द्रमा तथा उषस्	२५-२९
च. अश्विनौ	२९-३०
छ. अग्नि	३१-३३
ज. वायु तथा जल-देवता	३३-३४
भारोपीय देवों का व्यक्तित्व, मूर्तिपूजा, पितर-पूजा एवं पौरोहित्य	३४-३७

द्वितीय अध्याय

अवेस्ता और उसके वैदिक देवता	३८-१२१
सामान्य परिचय	३८-३९
अवेस्ता का संक्षिप्त इतिहास	३९-४०
अवेस्ता का बहिरंग परिचय	४१
वेद और अवेस्ता में पारस्परिक साम्य	४२-४३
ईरानी जाति का उद्गम	४३-४६
ईरानी आर्यों की भारत से वहाँ जाने की सम्भावना	४६-५२
ईरान के मागी और प्राचीन पारसी धर्म पर उनका प्रभाव	५२-५५
ज़रथुस्त्र की धार्मिक क्रान्ति	५५-५६
पारसी धर्म का संक्षिप्त विवरण	५७-५९

संस्कृत की ऐतिहासिकता	५९-६२
साधनों की प्रामाणिकता	६२-६३
'असुर' और 'देव' शब्दों के ईरान में पृथक् भाव	६३-६८
प्राग्वैदिक तथाकथित 'भारत-ईरानी काल' की स्थापना का खण्डन	६८-६९

ईरानी देवों का परिचय—

१. अहुरमज्दा (असुर मेधा)	६९-८२
२. मिथ्र (वै० मित्र)	८२-९२
३. हओम (वै० सोम)	९२-९७
४. आतर (वै० अग्नि)	९७-१०२
५. यिम (वै० यम)	१०२-१०७
६. वीवङ् हन्त (वै० विवस्वान्)	१०७-१०८
७. ऐर्यमन् (अर्यमन्)	१०८-१०९
८. अपाम्-नपत् (वै० अपां नपात्)	११०-१११
९. वैरश्नेन (वै० वृत्रहन)	१११-११४
१०. ख्वर / ह्वर (स्वर, सूर्य)	११४
११. वयु (वायु या वात)	११४-११६
१२. उशह (उषस्)	११६
१३. आरमइति (अरमति)	११६
१४. श्रित आथ्व्य (वै० त्रित आपत्य)	११६-११९
१५. अन्य देवता	११९-१२१

तृतीय अध्याय

वैदिक तथा परवर्ती देवशास्त्र का सिंहावलोकन	१२२-१७४
वैदिक देवों का मूल-स्वरूप और विविध विद्वानों की	
एतद्विषयक दृष्टि	१२२-१२४
- स्वामी दयानन्द	१२४-१२८
- महर्षि अरविन्द	१२८-१३०
- वी० जी० रेले	१३१-१३३
- परमशिव अय्यर	१३३
- बाल गंगाधर तिलक	१३३-१३५
- वासुदेवशरण अग्रवाल	१३५-१३८

देवों का भौतिक उद्गम मानने की भारतीय-परम्परा एवं उसकी समीक्षा	१३९-१४१
देवता भौतिक तत्त्वों में अभिव्यक्त एक ही दिव्य, चेतन-शक्ति के प्रतीक	१४१-१४८
देवों का प्रकाश तत्त्व से सम्बन्ध	१४९-१५०
'हीनोथीज्म' की अवधारणा	१५०-१५२
देवों की संख्या, उनकी आकृति, स्थान एवं सामान्य विशेषताएँ	१५२-१५४
वैदिक देवों की अवधारणा एवं विशेषताओं का परवर्ती युग में क्रमिक विकास	१५४-१६८
- अथर्ववेद	१५५-१५५
- ब्राह्मण-ग्रन्थ	१६०-१६१
- गृह्य-सूत्र	१६०-१६१
- इतिहास-पुराण	१६१-१६८
- वैदिक देवों की विविध वर्गीकरण-प्रक्रियाएँ एवं उनकी समीक्षा	१६८
- उज्जेनर्	१६९-१७०
- ब्लूमफील्ड	१७०-१७२
- यास्क	१७२-१७४

चतुर्थ अध्याय

द्युस्थानीय देवता [१]

	१७५-२६०
१. आदित्यगण	१७५-१८८
२. सूर्य तथा अन्य सौर देवता	१८८-१९३
३. विवस्वान्	१९३-१९५
४. सविता	१९५-२०१
५. पूषा	२०१-२०७
६. अर्यमा	२०७-२०८
७. मित्र	२०९-२११
८. सूर्यदेवता का पौराणिक स्वरूप	२११-२२०
९. वरुण	२२०-२३७
१०. मित्रावरुणौ	२३७-२४०

११. अश्विनौ

२४०-२४०

पञ्चम अध्याय

द्युस्थानीय देवता [२]

२४१-३५५

विष्णु, लक्ष्मी तथा गरुड

विष्णु शब्द की निरुक्ति तथा उनका मूल-स्वरूप

२४१-२४८

विष्णु का विक्रमण एवं वामन-अवतार

२४८-२८१

विष्णु और यज्ञ

२८१-२९०

विष्णु का यज्ञ-वराह रूप

२९०-२९८

—नारायण

२९८-३०८

विष्णु का मत्स्य-अवतार

३०८-३१५

विष्णु का कूर्म अवतार

३१५-३२३

विष्णु का नृसिंह अवतार

३२३-३३१

विष्णु की अन्य विभूतियाँ एवं उनका विराटरूप

३३१-३३४

विष्णु और इन्द्र का सम्बन्ध ('उपेन्द्र')

३३४-३३८

विष्णु एवं पशु

३३८-३३९

विष्णु की आकृति एवं वेशभूषा

३३९-३४०

विष्णु का परमपद

३४०-३४२

विष्णु का आवास

३४३

विष्णु की प्रिया : लक्ष्मी

३४३-३४६

विष्णु का वाहन : गरुड

३४७-३५०

विष्णु का सुदर्शन-चक्र

३५०-३५२

विष्णु : परमेश्वर के रूप में

३५३-३५५

षष्ठ अध्याय

अन्तरिक्षस्थानीय देवता [१]

३५६-४०४

१. इन्द्र

३५६-३८५

२. मरुद्गण

३८५-३९६

३. वायु

३९६-४०४

सप्तम अध्याय

अन्तरिक्षस्थानीय देवता [२]

४०५-५०५

रुद्र (शिव), दुर्गा, गणेश तथा स्कन्द

१. रुद्र (शिव)	४०५
वैदिक संहिताओं में रुद्र का स्वरूप	४०५
रुद्र शब्द की व्युत्पत्ति	४०७
रुद्र का भौतिक आधार : अग्नि	४०९
रुद्र की जटाएँ, उनका विषपान एवं नीलकण्ठत्व	४१५
रुद्र का मरुत्पितृत्व	४१९
रुद्र के कुछ विशिष्ट अभिधान	४२३
रुद्र-शिव के स्वरूप में लोक विश्वास की अभिव्यक्ति	४२७
अथर्व-एवं यजुर्वेद में रुद्र, भव तथा शर्व	४२८
-ब्रात्य	४३१
त्र्यम्बक होम और अम्बिका	४३२
-पिनाक	४३६
शतरुद्रियम् और रुद्र	४३७
रुद्राः या रुद्र के गण	४३८
गवेधुक होम	४४१
रुद्र की अष्टमूर्तियाँ	४४२
रुद्र का यज्ञ से बहिर्भाव और दक्ष-यज्ञ-विध्वंस	४४६-४५६
-दार्शनिक ज्ञान के अधिष्ठाता रुद्र	४५६-४६१
रुद्र द्वारा त्रिपुर-विनाश	४६१-४६७
शिव का त्रिशूल	४६७
शिव सम्बन्धी अन्य कथाएँ	४६७-४६८
शिव तथा लिंगपूजा	४६९-४७१
-शिव	४७१
रुद्रों का एकादशत्व	४७२-४७६
शिव के परिचर तथा अनुचर	४७६-४८०

२. अम्बिका	४८०-४८९
३. गणेश या विनायक	४८९-४९७
४. स्कन्द	४९७-५०५

अष्टम अध्याय

पृथिवी-स्थानीय देवता

१. अग्नि	५०६-५२०
२. यम	५२१-५३६
३. सोम	५३६-५५७

नवम अध्याय

अमूर्त अथवा भावात्मक देवता

१. सृष्टिकर्ता प्रजापति-ब्रह्मा एवं विश्वकर्मा, त्वष्टा ब्राह्मण-ग्रन्थों में प्रजापति ब्रह्म, वाक् तथा ब्रह्मा प्रजापति की अपनी पुत्री के प्रति आसक्ति प्रजापति और दक्ष प्रजापति के रूपान्तर ब्रह्मा का लोक-पितामहत्व	५५८-६१९ ५५८-५६४ ५६४-५६७ ५६७-५७२ ५७२-५८१ ५८१-६८२ ५८३ ५८४-५८९
२. बृहस्पति	५८९-६०३
३. अदिति	६०३-६१९

दशम अध्याय

परिशिष्ट (लोकदेवता एवं असत्-शक्तियाँ)

१. यक्ष	६२०-६२४
२. असुर एवं राक्षस	६२४-६२७

सहायक ग्रन्थ-सूची	६२९-६३८
देवतानुक्रमणिका	६३९-६४०
विषयानुक्रमणिका	६४१-६६७
लेखकानुक्रमणिका	६६९-६७०